

(b) The Maritime Institute will provide continuing education and training to officers and crew of the Shipping Corporation of India fleet in Maritime Studies particularly Safety, Fire Fighting, Marine Pollution Prevention, Tanker Operations and changes and advances in Technology as an in-house training arrangement. The Institute will also provide specialised commercial and management courses for SCI's officers, both afloat and ashore.

Government's approval to the setting up of the above Institution at an estimated cost of Rs. 280.03 lakhs has already been issued. Shipping Corporation of India has already taken possession of about 35½ acres of land at Powai from Government of Maharashtra. The Corporation is making efforts to acquire additional 9½ acres of adjacent land from the State Government and has already approved the architects for this Project.

भारतीय मिशनों में हिन्दी अनुवादकों के रिक्त पद

7396. श्री नन्द किशोर शर्मा : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछली बार लन्दन स्थित भारतीय उच्चायोग के कार्यालय में एक हिन्दी अनुवादक को तैनात किया गया था ;

(ख) क्या यह भी सच है कि उक्त अनुवादक के स्थान पर, जो कई वर्ष पहले सेवा निवृत्त हो गया था, उस स्थान पर अब तक किसी अनुवादक को तैनात नहीं किया गया है ; और

(ग) उक्त मिशन में हिन्दी अनुवादकों को कब तक तैनात किए जाने की सम्भावना है ?

पेट्रोलियम, रसायन तथा उर्वरक मंत्री (श्री पी० शिशंकर) : (क) से (ग) नन्दन स्थित हमारे हाई कमीशन में एक हिन्दी अनुवादक 16-5-77 से 31-5-79 तक अनुभाग अधिकारी के पद के विरुद्ध अनुवादक के रूप में कार्य कर रहा था जो वहां से 31-5-79 को सेवा निवृत्त को गया था। उनकी सेवा निवृत्ति से अनुभाग अधिकारी का एक पद खाली हुआ। उसके बाद किसी अन्य हिन्दी अनुवादक को वहां नहीं भेजा गया। लेकिन लन्दन स्थित भारतीय हाई कमीशन में हिन्दी अधिकारी का एक पद बनाए जाने पर विचार किया जा रहा है। उसके फौरन बाद एक उपयुक्त अधिकारी को नियुक्त करने पर विचार किया जाएगा।

भारतीय मिशनों में हिन्दी अधिकारियों के रिक्त पद

7400. श्री होरालाल आर० परमार : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विदेशों में भारतीय मिशनों में 1100-1600 रु० के वेतनमान में हिन्दी अधिकारियों के कुछ पद काफी लम्बे समय से खाली पड़े हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या इन पदों के सम्बन्ध में भर्ती सम्बन्धी नियम तैयार कर लिए गए हैं और क्या इन पदों पर 650-1200 रु० निम्न वेतनमान वाले अधिकारियों की नियुक्ति के लिए साक्षात्कार किए गए थे ;

(ग) क्या इन पदों पर नियुक्ति करते समय हिन्दी अधिकारियों के पद हेतु अनुवाद और भाषा सम्बन्धी नियमों के क्रियान्वयन के आवश्यक अनुभव को भी ध्यान में रखा गया था ;